तापमान

अधिकतम 38.0 डिग्री

न्यूनतम 37.0 डिग्री

हरिभूमि कांकेर भूमि

रायपुर, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने की सीएम से सौजन्य भेंट 14

नवोदय विद्यालय चयनित छात्राओं को रजत पदक से किया ... 14

खबर संक्षेप

जैन साधु संतों पर हुए हमले का सकल जैन समाज ने किया विरोध

भानुप्रतापपुर। मध्य प्रदेश के नीमच जिला के पास राजस्थान बॉर्डर पर स्थित सिंघोली नगर के पास कछाला गांव के हनुमान मंदिर में ज्ञानगच्छ के संत शैलेश मुनि आदि ठाणा 3 रात्रि विश्राम के लिए विराज रहे थे। राजस्थान बॉर्डर के कतिपय सामाजिक तत्वों द्वारा संतों पर क्रूरता पूर्वक अमानवीय तरीके से मारपीट की गई है। अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के राह में चलने वाले महापुरुषों के साथ ऐसे कृत्य का विरोध, निंदा एवं देश व विदेश के सभी जैन समुदाय करता है। सकल जैन संघ संबलपुर एवं सकल जैन संघ भानुप्रतापपुर भी इसका पुरजोर विरोध करता है और साथ ही आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एवं इस घटना को लेकर एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम एसडीएम भानुप्रतापपुर को दिया गया, जिसमें पारसमलजी बोथरा अध्यक्ष जैन संघ संबलपुर, कपूर बाघरेचा अध्यक्ष जैन संघ भानुप्रतापपुर एवं समाज के सदस्य मौन रैली निकालकर ज्ञापन देने उपस्थित रहे।

इलाज के दौरान ग्रामीण की हुई मौत

कांकेर। नरहरपुर थानांतर्गत बाबू साल्हेटोला निवासी 55 वर्षीय सुनाराम शोरी का ईलाज के दौरान 20 मार्च की रात साढ़े 9 बजें धमतरी के निजी अस्पताल में मौत हो गया। अस्पताली मेमो पेश कर पुलिस को बताया किया कि मृतक को ईलाज के लिए अस्पताल में लाया गया, जहां ईलाज के दौरान मौत हो गया। नरहरपुर थाना में असल नंबरी मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया, समाचार लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि मृतक की मौत किन कारणों से हुई है।

युवक की रायपुर के अस्पताल में मौत, मर्ग कायम

कांकेर। अंतागढ़ थानांतर्गत मद्रासीपारा इंदिरा गांधी वार्ड निवासी 38 वर्षीय नरेश पोटाई का ईलाज के दौरान 28 फरवरी की सुबह पौने 4 बजें रायपुर के डीकेएस अस्पताल में मौत हो गई। बिना नंबरी मर्ग डायरी भानुप्रतापपुर थाना में पेश करने पर असल नंबरी मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में पता चल सकेगा कि मृतक किस कारण से रायपुर के अस्पताल में भर्ती हुआ था और मौत क्यों हुई। पुलिस का कहना है कि अभी डायरी आई, कारण की पतासाजी की जाएगी।

शहर एवं ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से बिक रहा है प्रतिबंधित गुटखा, नहीं हो रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- अवैध ढंग से सप्लाई करने वाले जिम्मेदारों के संरक्षण में खेल रहे खेल

जर्दायुक्त गुटखा पाऊच पर प्रतिबंध लगाकर शासन ने खूब वाहवाही बटोरी है। इस कदम से आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने वाला महकमा खुश तो है, लेकिन हकीकत में गुटखा की बिक्री बिलकुल भी बंद नहीं हुआ है। नगर सहित गांवों में धड़ल्ले से प्रतिबंधित गुटखा पाऊच बिक रहे है, बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग जानकर भी अनदेखी कर रहा है। नगर के कई दुकानों में दुकानदार चोरी छिपे पाऊच बेच रहे है। प्रतिबंध लगने से दुकानदारों को और भी मुनाफा हो रहा है। यह वास्तविक दर से अधिक कीमत पर ग्राहकों को पाऊच बेच रहे है। पहले तो गुटखा पाऊच दो रूपए में मिलता था पर अब वह पांच रूपए में मिल रहा है लेकिन पाऊच में अभी भी दो रूपए ही प्रिंट रेट लगा हुआ है। इसके बाद भी न तो खाने वालों ने खाना बंद किया और बनाने वालों ने बनाना। गुटखा निर्माताओं की ऊँची पहुंच के चलते यह आसानी से नगर के दुकानों में उपलब्ध हो जाते है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी भी मूकदर्शक है, तभी तो प्रतिबंध के बाद भी बाजार में जर्दायुक्त पाउच नजर आ रहा है।

अफसर निरीक्षण के लिए नहीं निकलते, बरतते हैं लापरवाही

कम नहीं हुए शौकीन

गुटखा चबाना इन दिनों फैशन बन चुका है। हर आयु वर्ग के लोग, चाहे वह बूढ़ा हो या फिर युवां, यहाँ तक महिलाएं भी जर्दायुक्त पाउच की शौकीन है। एक पुराना दौर था जब बड़े पान चबाना अपनी शान समझते थे। किसी बड़ें उत्सव या सामाजिक बैठकों में लोगों को आदर के साथ पान पेश किया जाता था। बदलते दौर में पान की जगह गुटखे ने ले लिया है।

अधिकारी निरीक्षण करने नहीं जाते

जर्दा बेचने पर कार्रवाई करने वाले विभाग के अधिकारी अधिकतम गायब रहते है और अपनी जिम्मेदारी निर्वाह करने के लिए कतराते रहते है। ऐसे अधिकारी अपने कार्यालयों से भी नदारद रहते है। विभागीय उच्च अधिकारियों के द्वारा मानीटरिंग नहीं करने के कारण ऐसी परिस्थितयाएं बनी हुई है।

कार्रवाई : ठेकेदार को 30 जून 2025 तक काम पूरा करने दिया गया

सेतु निगम ने कार्य को पूरा करने चार बार दिया नोटिस, पैनल्टी के साथ की समयवृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- जून तक काम पूरा हो जाने पर बारिश के पहले हजारों ग्रामीणों को मिलेगी राहत

जांच : विधायक विक्रम उसेंडी के कोयलीबेड़ा प्रवास पर मामला उजागर हुआ

पुल निर्माण में लापरवाही, ठेकेदार व सेतु निगम के अधिकारियों को विधायक ने लगाई फटकार

निर्माण अवधि की समय सीमा डबल हुई फिर अधूरा

दो दर्जन से ज्यादा गांव के लोग हैं परेशान

हरिभूमि फॉलोअप

विकासखंड कोयलीबेड़ा के ग्राम दूटा मार्ग के किमी 1 बाई 4 मार्ग के मेढ़की नदी पर पुल एवं पहुँच मार्ग निर्माण कार्य का सेतु विभाग से 2 जून 2022 को दुर्ग के ठेकेदार मेसर्स राजन सिंह ने अनुबंध किया था और इसे 2 सितंबर 2023 को पूरा करके देना था। ठेकेदार को 15 माह में पुल निर्माण करके देना था, परंतु कार्य पूरा नहीं हो पाया।

विभाग ने चार बार नोटिस जारी किया और पैनल्टी के साथ समय वृद्धि दिया गया। विभाग ने 30 जून 2025 तक कार्य पूरा करने का फरमान ठेकेदार को जारी किया है। जानकारी के अनुसार इस पुल के बन जाने से कोयलीबेड़ा से लगभग दो दर्जन से ज्यादा गाँव जो बारिश के समय कट आफ हो जाते थे, इस पुल के बनने के बाद राहत मिल जाएगी। कांग्रेस के सरकार और उनके मंत्री एवं विधायकों ने गंभीरता नहीं दिखाई, जिसके कारण समय पर पुल का निर्माण नहीं हो सका। ग्रामीणों ने जब दो दिन पहले विधायक विक्रम उसेंडी के संज्ञान में लाया, तब यह मामला सामने आया। विधायक ने कार्य को जल्द शुरू करने के लिए अधिकारियों को चेताया, वहीं हरिभूमि ने इसकी हकीकत को जानने के लिए सेतु विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। सेतु विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कार्य करने वाले ठेकेदार मेसर्स राजन सिंह को चार बार 16 अप्रैल 2024, 11 दिसंबर 2024, 12 दिसंबर 2024 और 6 फरवरी 2025 को नोटिस जारी किया गया। भाजपा सरकार के आने के बाद चार बार नोटिस दिया जा चुका, परंतु कांग्रेस सरकार के समय सितंबर 2023 में काम पूरा होना था, एक बार भी नोटिस जारी नहीं किया गया, इससे यही लगता है कि कांग्रेस के नेताओं के संरक्षण की वजह से ठेकेदार ने मनमानी किया था और समय पर काम को पूरा नहीं किया था।

कांग्रेस के विधायक और अधिकारी गंभीरता दिखाते, तो यह पुल दो साल पहले बन गया होता और हजारों की जनसंख्या को दो साल पहले राहत मिल गई होती। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों में गंभीरता नहीं होने के कारण यह पुल आज तक नहीं बन पाया है। अधिकारी गंभीरता दिखाते और कांग्रेस के विधायक सख्ती बरतते तो यह पुल आज तक बन चुका होता, परंतु उस समय कोई सुनने वाला नहीं था। जिम्मेदार अपनी सही ढंग से जिम्मेदारी निर्वाह करते तो आज हम लोगों को चलने के लिए यह पुल मिल चुका होता।

विधायक की नाराजगी आएगी काम

ग्रामीणों का कहना है कि विधायक विक्रम उसेंडी की नाराजगी अब काम आएगी। विधायक ने अफसरों को समय पर काम को पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है, इससे लग रहा है कि अब यह पुल जल्द बन जाएगा। इसके बाद भी पुल नहीं बना तो यह तय है कि ग्रामीण कांकेर में चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे।

समय पर काम पूरा करवाया जाएगा

सेतु निगम के कार्यपालन अभियंता राजेंद्र सोनकर ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को 04 बार नोटिस दिया गया है और इसके अलावा पैनल्टी लगाकर समय वृद्धि दिया गया है। मेरा प्रयास होगा कि बारिश के पहले 30 जून तक पुल बनकर तैयार हो जाएगा। ठेकेदार को जल्द कार्य शुरू करने निर्देशित किया गया है।

कार व ट्रक में भिड़ंत, चपेट में आई बाइक, चालक हुआ घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- सीएचसी चारामा में घायल का इलाज जारी

राष्ट्रीय राजमार्ग जैसाकर्रा विनोबा आश्रम के पास कार और ट्रक की टक्कर के बाद एक वाहन ने सामने चल रही मोटर सायकल को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मोटर सायकल में सवार चालक को गंभीर चोट आया। घायल को ईलाज के लिए सीएचसी चारामा में भर्ती कराया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नही ले रहा और आए दिन सड़क हादसे हो रहें है। हादसों में कई लोगो की मौत हो रही है, तो कई लोग आपहिज हो रहें है। इसका सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार से वाहनों को चलाना। एक ऐसा ही गंभीर सड़क दुर्घटना 16 अप्रैल को शाम लगभग साढ़े 5 बजें राष्ट्रीय राजमार्ग 30 जैसाकर्रा के पास हुआ। दुर्घटना में एक बाईक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया व बाईक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार चारामा की ओर से आ रही आर्टिगा कार वाहन क्रमांक सीजी 08 एटी 8992 और ट्रक क्रमांक सीजी 04 पीई 3979 से टकराकर दोनो वाहन के सामने चल रही मोटर सायकल वाहन क्रमांक सीजी 19 बीजे 2415 को जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर से बाईक में सवार हल्बा चौकी अंतर्गत ग्राम हाराडुला निवासी 55 वर्षीय ▶▶| शेष पेज 12 पर

नैनी नदी पर रेत माफियाओं की नजर, हो रहा अवैध रेत उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

- माफियाओं पर लगाम लगाने में सरकारी दस्ते नाकाम
- अवैध खनन पर ग्रामीण आक्रोशित, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

चारामा में अवैध रेत खनन एवं तस्करी का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय प्रशासन और खनिज विभाग भी इन पर लगाम लगाने में नाकाम दिखाई दे रहे हैं। चारामा के आसपास लगभग 8 खदान संचालित है एवं कुछ खदानें शासन से स्वीकृत हैं तो बहुत सी खदानें स्वीकृत नहीं होने के बाद भी नियमों के विरुद्ध धड़ल्ले से चलाई जा रही है। चारामा में बुधवार 16 अप्रैल को शिकायतों के बाद चारामा के भूईंगांव स्थित खदान में अवैध रेत उत्खनन करते हुए चेन माउंटेन मशीन पर कार्रवाई की गई है, जिसके बाद भी जिले में रेत माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद है कि इन्हें प्रशासन की कार्यवाही का बिल्कुल भी डर नहीं है। अब रेत तस्करों की नजर चारामा के कंडेल स्थित रेत खदान को लूटने की है। गुरुवार 17 अप्रैल की सुबह कुछ ग्रामीणों की नजर कंडेल के नैनी नदी पर लगी हुई दो चेन माउंटेन मशीनों पर पड़ी, जिसके बाद ग्रामीण अवैध रेत खनन का विरोध करने लगे, पर ▶▶| शेष पेज 12 पर

नक्सल पीड़ितों को मिलेगा शासन की योजनाओं का लाभ, 23 से आयोजित किए जाएंगे शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- कलेक्टर ने जिला स्तरीय नक्सल पीड़ित पुनर्वास समिति की बैठक में दिए निर्देश

जिला स्तरीय नक्सल पीड़ित पुनर्वास समिति की बैठक कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने जिले के नक्सल पीड़ित परिवारों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि इसके लिए प्रभावित विकासखण्डों में शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें पीड़ित परिवारों से सभी आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर योजनाओं के तहत आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही नक्सल पीड़ितों के लिए नई पुनर्वास नीति को प्रभावी बनाने तथा इसके सफल के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नक्सल पीड़ित परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और शत-प्रतिशत सैचुरेट करने के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत 23 अप्रैल को कांकेर नगर के न्यू कम्युनिटी हॉल में, 25 अप्रैल को पीएमश्री विद्यालय भानुप्रतापपुर में, 28 अप्रैल को तहसील कार्यालय पखांजूर और 30 अप्रैल को अंतागढ़ में स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में कैम्प आयोजित किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इन शिविरों में नक्सल पीड़ितों के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाएगा और साथ ही नई पुनर्वास नीति के अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा करते हुए दस्तावेज निर्माण, आधार कार्ड व अन्य विभागीय सेवाएं शिविर में ही उपलब्ध ▶▶| शेष पेज 12 पर

24 घंटे में काम पर वापसी का आदेश किया दरकिनार

पंचायत सचिव नहीं लौटे काम पर, कोई प्रभार लेने को तैयार नहीं, अब दिल्ली में धरने की तैयारी में जुटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिलेभर के विकासखंड मुख्यालय में अपनी एक सूत्रीय मांग शासकीयकरण को लेकर करीब महीनेभर से हड़ताल कर रहे जिले के करीब साढ़े 4 सौ पंचायत सचिव सरकार की चेतावनी के बाद आंदोलन पर कायम हैं। इन हड़तालियों को सरकार ने 24 घंटे में काम पर लौटने की चेतावनी दी थी, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। इसी बीच सरकार ने कोशिश की थी कि हड़तालियों की जगह उनके समकक्ष अन्य कर्मियों को प्रभार देकर काम करवाया जाए, लेकिन यह दांव भी सफल नहीं हो पाया है, जिन कर्मियों को प्रभार दिया जाना है, वे भी सचिवों के समर्थन में आ गए हैं। पंचायत सचिवों की हड़ताल के समर्थन में छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन सामने आया है। फेडरेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रदेश पंचायत सचिव संगठन के प्रगतिरत आंदोलन के समर्थन के विषय पर फेडरेशन में शामिल संगठन के पदाधिकारी द्वारा अपना विचार प्रकट किया गया। फेडरेशन में शामिल सभी संगठनों के पदाधिकारी के विचार को गंभीरतापूर्वक सुनने के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रदेश पंचायत सचिव संगठन की हड़ताल को समर्थन दिया जाए एवं पंचायत सचिव का प्रभार नहीं लेने का निर्णय लिया गया है। आंतरिक सहायक करारोपण एवं लेखा परीक्षण अधिकारी, जनपद जिला स्तर बाबू संगठन, प्रदेश पंचायत सचिव संगठन, छत्तीसगढ़ ग्राम रोजगार सहायक संगठन के पदाधिकारियों ने बैठक लेकर यह रणनीति बनाया कि कोई भी सचिवों का प्रभार नहीं लेगा।

तीन पंचायत सचिवों की हुई है मौत

जिले के पदाधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में 18 मार्च से जारी इस आंदोलन को लेकर प्रदेश के 146 ब्लॉकों में धरना दिया जा रहा है। इस धरने के दौरान कोरबा, महासमुंद और जशपुर में तीन पंचायत सचिवों की मौत हो चुकी है। इसकी जानकारी प्रशासन एवं सरकार को दिया गया है। इस विभाग के मंत्री इस पर कोई चिंतन नहीं कर रहे है, केवल वाहवावही लूटने बस्तर में घूम रहे है। विभाग के मंत्री को सचिवों के बारे में सकारात्मक निर्णय के लिए पहल करना चाहिए, परंतु उस पर ध्यान नहीं दे रहे है।

21 से दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी

राज्य सरकार की कोशिशों के बाद भी पंचायत सचिव हड़ताल खत्म करने को तैयार नहीं हैं। इसी बीच जानकारी मिली है कि पंचायत सचिव अब दिल्ली के जंतर मंतर में जाकर 21 अप्रैल से प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं। पंचायत सचिव संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश पदाधिकारी दिल्ली में धरना प्रदर्शन की अनुमति लेने का प्रयास कर रहे हैं।

जन सहयोग से स्थापित किया पहला प्याऊ घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- विधायक आशाराम के हाथों हुआ शुभारंभ

हरिभूमि ने प्याऊ घर की आवश्यकता का मुद्दा उठाया था और जन सहयोग ने पहले करते हुए भीषण गर्मी के मौसम में मिट्टी के घड़ों के शुद्ध शीतल पेयजल वाले प्याऊ घर का इंतजाम शहर के बीचों-बीच थाने के पास किया गया, जिसका शुभारंभ विधायक आशाराम नेताम के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, सीएमओ सोहेल कुमार के अलावा संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी की उपस्थिति में हुआ।

भीषण गर्मी में न केवल राहगीरों को बल्कि ग्रामों से आने वाले ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए बहुत तकलीफ होती थी और हॉटल में जाने पर चाय नाश्ते की शर्त पर ही ठंडा पानी मिलता है। अन्य स्थानों में 20 रूपए खर्च कर ठंडे पानी की बोतल खरीदनी होती थी। लोगों को विशेष कर देहात से काँकेर बाजार आने वाले ग्रामीण भाइयों को यह प्याऊ स्थापित कर जन सहयोग समाजसेवी संस्था ने बहुत राहत पहुंचाई है। विधायक ने शुभारंभ करते हुए कहा कि ऐसी पहल समाज के ▶▶| शेष पेज 12 पर

इन्द्रावती-जोरा संगम पर मलबा हटाने से जल प्रवाह बस्तर में प्रवाहित

भेजापदर से करंजी तक 25 किमी क्षेत्र के किसानों को मिली सिंचाई सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

इन्द्रावती नदी-जोरा संगम स्थल पर बने कंट्रोल स्ट्राक्चर के बस्तर की सैकड़ों क्विंटल मलबा को साफ करने के बाद नदी का जल प्रवाह बस्तर की ओर बढ़ने से भेजापदर से लेकर करंजी तक लगभव 25 किमी तक खेतो में सिंचाई सुविधा मिलने से सैकड़ों किसानों ने राहत की सांस ली है। हालांकि करंजी से नीचे दर्जनों गांव में आज भी पानी की समस्या बनी हुई है। इन्द्रावती नदी में गैर मानसून सीजन गर्मी के दौरान ही बस्तर में जल समस्या निर्मित होती है,जबकि शेष 8 माह पानी का प्रवाह नियमित रहता है। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जल संसाधन विभाग एक्शन मोड़ पर आया और इन्द्रावती-जोरा संगम ओडिशा के ग्राम सुतपदर में बने कंट्रोल स्ट्रेक्चर का निरीक्षण कर बस्तर की तरफ जल प्रवाह में बाधा बने सैकड़ो क्विंटल सील्ड(गाद) को हटाया गया। तब जाकर इंद्रावती नदी से छत्तीसगढ़ के हिस्से को मिल रहा पानी 16 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत मिलने लगा है। यही नहीं आने वाले समय में जल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए भी कवायद चल रही है। नदी में साढ़े तीन करोड़ की लागत से इंद्रावती-जोरानाला के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में जमा सिल्ट,लूज बोल्डर,पत्थर,रेत की बोरी,मिट्टी इत्यादि को स्थाई रूप से नदी से बाहर करने के लिए ओडिशा के द्वारा तैयारी किया जा रहा है। जिससे पानी का बहाव नैसर्गिक तरीके से होता रहेगा एवं छत्तीसगढ़ राज्य को अपने हिस्से का 50 प्रतिशत पानी मिलना शुरू होगा। इस पर आने वाला खर्च भी ओडिशा सरकार देगी। स्वीकृति मिलने के बाद एजेंसी तय कर जून 2025 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए गए

दोनों राज्यों के बीच सचिव स्तरीय वार्ता में बस्तर जिले में गहराते पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए राजेश सुकुमार टोप्पो सचिव जल संसाधन छत्तीसगढ़ के द्वारा छत्तीसगढ़ के हितों की रक्षा और जल बंटवारे को सुनिश्चित करने के लिए स्थायी समाधान पर जोर दिया गया एवं इन्द्रावती-जोरा नाला मुहाने पर बने हाइड्रोलिक कंट्रोल स्ट्राक्चर के दोनों ओर जमा रेत,पत्थर,मिट्टी और अन्य अवरोधों को स्थायी रूप से हटाने के लिए जल संसाधन विभाग ओडिशा द्वारा स्थानीय राज्य सरकार को प्रस्तुत साढ़े तीन करोड़ रुपये के प्राक्कलन को यथाशीघ्र स्वीकृति हेतु सचिव जल संसाधन उड़ीसा से आग्रह किया जिस पर सचिव ओडिशा ने सहमति दी है। स्वीकृति मिलने के बाद एजेंसी तय कर जून 2025 तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

इन्द्रावती नदी में बने एनीकेट से पानी ओवरफ्लो

इन्द्रावती नदी के भेजापदर से लेकर करंजी तक 5 एनीकेट में 3 एनीकेट से पानी ओवरफ्लो होने लगा है। जब से मलबा हटाया गया,पानी का प्रवाह की रफ्तार ने वृद्धि हुई है। जगदलपुर के पुराने पुल एनीकेट, कोहकापाल एनीकेट, कुम्हरावण्ड एनीकेट से पानी ओवर फ्लो होने से खेतों को नियमित पानी मिलने लगा है।

वेद पांडे,ईई
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर

खबर संक्षेप

विवेचना उपरांत आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज

कांकेर। कोरर थानांतर्गत ग्राम घोड़दा चौक के पास ट्रक की टक्कर से बाईक में सवार दो लोगो को चोट आई थी। इस मामले की विवेचना में पाया गया कि 10 अप्रैल को मृतक बाईक में सवार होकर ग्राम घोड़दा चौक के पास पहुंचा था। उसी समय सामने से आ रही ट्रक क्रमांक सीजी 15 एसी 6487 के चालक द्वारा सामने से तेजगति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मृतक दिनेश कुमार सलाम के बाईक को सामने से टक्कर मार दी, जिससे बाईक चालक और उसके पीछे बैठे मैनी वट्टी दोनों सड़क पर गिर गए। गिरने से दिनेश सलाम के सिर में गहरा चोंट व हाथ पैर में चोट लगा और पीछे बैठी मैनी वट्टी के सिर व हाथ में चोट लगा। दिनेश सलाम को ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उसका ईलाज के दौरान मौत हो गया। आरोपी वाहन ट्रक क्रमांक सीजी 15 एसी 6487 के चालक द्वारा सामने से ठोकर मारकर एक्सीडेंट करने से मौत होने पर पुलिस ने धारा 281, 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

प. बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का भानुप्रतापपुर में हिंदू समाज ने किया विरोध

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर में हिंदू समाज ने पश्चिम बंगाल में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार का विरोध जाहिर किया और साथ ही मोमबत्ती जलाकर मृत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। पश्चिम बंगाल में वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के विरोध में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भानुप्रतापपुर के हिन्दू समाज ने मुख्य चौक पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर विरोध दर्ज किया। जहां उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू समाज के विरूद्ध सुनियोजित और लगातार बढ़ते हमलों ना केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, ब्लकि राज्य की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं। यह घटनाएं धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को कुचल रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग किया।

क्लस्टर स्तरीय यूजर फीडैबैक एंड सेनेटाइजेशन के लिए कार्यशाला

उद्योगों को अधिकतम प्रोत्साहन देने नई औद्योगिक नीति में है विशेष प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- बस्तर के लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने उद्योग धंधों को मिलेगी सहायता

बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने हेतु नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के सफल क्रियान्वयन एवं यूजर्स की जागरूकता की दिशा में कलस्टर स्तरीय यूजर फीडबैक एंड सेनेटाइजेशन के लिए गुरुवार को कलेक्टोरेट में आयोजित संभागीय स्तरीय कार्यशाला में विकसित बस्तर के लिए उद्योगों की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान वक्ताओं ने नई औद्योगिक नीति के तहत बस्तर संभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ खनिज आधारित, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन उद्योगों की असीमित संभावनाओं को साकार करने हेतु सकारात्मक पहल करने पर जोर देते हुए इस दिशा में राज्य शासन के सार्थक प्रयासों को सराहनीय निरूपित किया।

इस अवसर पर बस्तर चैंबर आफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने कहा कि विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने हेतु उद्योग-धंधों का समग्र विकास जरूरी है। वर्तमान में बस्तर में उद्योगों के लिए आर्थिक सहायता सहित भूमि बैंक, रेल, हवाई सेवा और सड़कों की बेहतर कनेक्टीविटी को प्राथमिकता देना आवश्यक है। साथ कि उद्योगो के लिए पानी की समुचित उपलब्धता के लिए कार्ययोजना बनाए जाना चाहिए। उन्होंने राज्य शासन द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय निरूपित करते हुए आगामी दिनों में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स मीट के लिए स्थानीय उद्यमियों को शामिल करने सहित उद्यमियों के साथ हर तीन महिने में बैठक किए जाने का सुझाव दिया। कार्यशाला में उघु उद्योग भारती जगदलपुर के लिए अध्यक्ष श्री राजेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि बस्तर में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के विकास की अपार संभावना हैं। स्थानीय स्तर पर कृषि एवं वनोत्पाद भी प्रचुर है जिससे मूल्य प्रसंस्करण के दिशा में भी व्यापक पहल किया जा सकता है। उन्होंने बस्तर के लोगों के आर्थिक विकास के लिए उक्त सेक्टरों पर आधारित लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

कार्यशाला के आरंभ में संयुक्त संचालक उद्योग शिव राठौर ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

रोजगार सब्सिडी का प्रावधान

उप संचालक उद्योग प्रफुल्ल साहू ने अवगत कराया कि औद्योगिक नीति 2024-30 के अनुसार बस्तर संभाग के विकास के लिए 32 में से 28 विकासखंडों को समूह 3 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, ताकि उद्योगों को अधिकतम प्रोत्साहन मिले। विकास की मुख्य धारा में बस्तर को जोड़ने के लिए नई औद्यौगिक नीति में आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार देने के लिए रोजगार सब्सिडी का प्रावधान है जिसमे 5 वर्षों तक शुद्ध वेतन का 40 प्रतिशत का प्रावधान है। अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग और नक्सलवाद प्रभावित लोगों के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी का प्रावधान है। युवाओं के लिए प्रशिक्षण व्यय प्रतिपूर्ति तथा मार्जिन मनी सब्सिडी का प्रावधान है जिसमें अनुसूचित जाति-जनजाति वर्गऔर नक्सलवाद प्रभावित व्यक्तियों द्वारा स्थापित नए लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के लिए 25 प्रतिशत तक की सब्सिडी है।

रोजगार सृजन की नई पहल

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर्स प्रतीक तिवारी, सुजाय डे और तेजनारायण द्वारा बस्तर में औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन की नई पहल पर प्रस्तुति।

सरपंच मिले सीईओ से कहा सचिवों की हड़ताल से पंचायतों में कामकाज ठप

जगदलपुर। पिछले एक माह से पंचायत सचिवों की चल रही बेमियादी हड़ताल के चलते पंचायतों में कामकाज पूरी तरह ठप्प हो चुका है। सरंपच चुनाव के बाद पूर्व सरपंचों से वर्तमान सरपचों को प्रभार भी नहीं मिल पाया है इसके चलते पंचायतों में एक ओर जहां मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रहा है और न ही किसी तरह का निमार्ण प्रारम्भ हो पा रहा है। परेशानी को देखते हुए दरभा ब्लाक सरपंच संघ की ओर से सीईओ को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारने मांग की गई है।

सरपंच संघ अध्यक्ष लिबरूराम नाग की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में चर्चा उपरांत सीईओ को ज्ञापन देकर तत्काल कार्य प्रारम्भ करने व पूर्व सरपंचों से प्रभार दिलाने मांग की गई है। सीईओ दरभा को दिए ज्ञापन में सरपंचों ने बताया कि सचिवों के हड़ताल पर होने के कारण कार्य बाधित हो रहा है तथा स्थिति गंभीर बनी हुई है। संघ ने दिए ज्ञापन में बताया कि हड़ताल के चलते जाति व निवास प्रमाण पत्र के अलावा नामांतरण व बंटवारा सम्बधित प्रस्ताव ग्राम पंचायत से नहीं बन पा रहा है. नलजल व अन्य योजनाओं का कार्य संचालन नहीं हो पा रहा है। ग्राम सचिवों व पूर्व सरपंचों द्वारा अब तक पिछला लेखाजोखा नहीं सौंपा गया है जिससे काम प्रभावित हो रहा है। सरपंचों ने एक पंचायत में एक ही सचिव को प्रभार दने की मांग की गई है।

देवी देवताओं की परिक्रमा होगी मुख्य आकर्षण का केंद्र...

धनोरा। केसकाल ब्लॉक का सबसे बड़ा मंडी बाजार धनोरा के वार्षिक देव मेला 19 से 21 अप्रैल तक होगा। मेले में दूर दूर से दर्शकगण पहुंचते हैं। साथ ही इस मेले में नए रिश्ते भी जुड़ते हैं, शादी जैसे मांगलिक कार्य का भी मौका मिलता है, मेला क्षेत्र संवेदनशील होने पर सुरक्षा के मद्देनजर मेला मे कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने संवारी नीलबती की जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

- नीलबती को किराना दुकान से प्रतिमाह लगभग 8,000 रुपये की हो रही है आय

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बिहान योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं और युवतियों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना से जुड़कर जिले की कई महिलाएं आज अपने पैरों पर खड़ी हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इन्हीं में से एक हैं माकड़ी विकासखंड के ग्राम गुमड़ी की श्रीमती नीलबती नाग, जिन्होंने 'बिहान' से जुड़कर न केवल अपने परिवार को संबल दिया, बल्कि अपनी नई पहचान भी बनाई।

पहले नीलबती नाग के परिवार को जीवनयापन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वे और उनके पति श्री रामदयाल नाग मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का पालन–पोषण करते थे। कठिन आर्थिक हालात और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वर्ष 2014 में नीलबती बिहान योजना से जुड़ीं और महिला बचत स्व–सहायता समूह की सदस्य बनीं। आज वे समूह में सचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। माकड़ी विकासखंड की टीम के मार्गदर्शन में उन्होंने समूह की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया और उन्हें बिहान से जोड़ा। समूह से ऋण प्राप्त कर नीलबती ने अपने गांव में एक किराना दुकान की शुरुआत की। उन्होंने दुकान में स्थानीय जरूरत के अनुसार आवश्यक वस्तुओं को रखीं, जिससे गांववासियों को सुविधा मिली। आज नीलबती को किराना दुकान से प्रतिमाह लगभग 8,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इसके अलावा महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर महीने 01 हजार रूपए प्रतिमाह लाभ भी मिल रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर न केवल आत्मनिर्भर हुईं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार किया। उनकी यह सफलता उन तमाम ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रेत है, जो जीवन में बदलाव लाने की इच्छा रखती हैं। नीलबती नाग ने यह साबित किया कि महिलाएं अपनी दृढ़ संकल्प से अपने परिवार के जीवन को नई दिशा दे सकती हैं।

पोषण चौपाल में भोज्य पदार्थों की लगाई गई प्रदर्शनी

दुर्गूकोंदल। महेंद्रपुर आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण माह की गतिविधियों पर पोषण चौपाल का आयोजन किया गया। पोषण चौपाल में स्थानीय भोज्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाकर भोजन के पोषक तत्वों की जानकारी के साथ वजन त्यौहार के महत्व को बताया गया। लोगों को स्वस्थ आहार विकल्पों के बारे में जानकारी मिली। ऊपरी आहार पर पालकों की काउंसलिंग व गर्भवती माताओं को खान-पान और डॉक्टरी इलाज के सलाह दी गई। इस मौके पर बिंद्रा सलाम, मीना उयके, अश्वनी जैन, संता उयके, भारती जैन, ममता सलाम, हेमलता जैन, भारती मंडावी, सावित्री जैन व अन्य उपस्थित रहें।

दो बाइक में हुई भीषण भीड़ंत, आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज

कांकेर। कोरर थानांतर्गत बैजनपुरी जामपारा मोड़ के पास हुई सड़क दुर्घटना में बाईक चालक के सिर में गंभीर चोट आने पर मौत होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया था। विवेचना में पाया गया कि 5 अप्रैल को मृतक अपने मोटर सायकल क्रमांक सीजी 19 बीएल 0487 को चलाते हुए ग्राम सेलेगांव से भानुप्रतापपुर घरेलू उपयोग के लिए बैल लेने जा रहा था। बैजनपुरी जामपारा मोड़ के पास पहुंचे था, उसी समय मोटर सायकल क्रमांक सीजी 27 पी 9126 के चालक द्वारा पीछे से तेज गति लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मृतक धनराज देशलहरे के मोटर सायकल को पीछे से ठोकर मार दी, जिससे मोटर सायकल चालक धनराज देशलहरे खेत तरफ लगे खम्भे से जा टकराया और मोटर सायकल सहित गिर गया। सिर में गहरा चोंट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी वाहन मोटर सायकल क्रमांक सीजी 27 पी 9126 के चालक द्वारा पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेंट करने से मौत होने पर धारा 281,106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

कोटेला आंगनबाड़ी में मनाया गया पोषण पखवाड़ा

चारामा। आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत कोटेला के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा मनाया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जीतेश्वरी साहू ने बताया कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और माताओं को बेहतर पोषण देना, टेक्नोलॉजी के जरिए जुड़ाव बढ़ाना, बच्चों में कुपोषण एवं एनीमिया जैसे नई चुनौतियों से निपटने के बारे में जानकारी दी।

- कुपोषण एवं एनीमिया से निपटने के बारे में दी जानकारी

पोषण पखवाड़ा दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान करना, नियमित स्वास्थ्य की जांच कराना है। उन्होंने सभी महिलाओं को संतुलित सक्रिय और स्वच्छ रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मनोरमा शोरी, यमुना पटेल, सुपरवाइजर नीतू ध्रुव, सहायिका मालती सेन, संतोषी पटेल, हेमलता सालम एवं गांव की जहान्वी साहू, रेणुका पटेल, पूजा पटेल व गांव की बहुत से महिला व बच्चे उपस्थित रहे।

चारामा में अवैध रूप से बन रही लाल ईंटे

- सरेआम नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

चाराम। चारामा ब्लॉक में इन दिनों बड़ी संख्या में लाल ईंटों का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। कई ठेकेदार बिना किसी सरकारी अनुमति के ईंट बना रहे हैं और शासन-प्रशासन पूरी तरह से अनजान बना हुआ है। भिरौद और करिहा गांवों में सबसे ज्यादा मात्रा में लाल ईंट बनाई जा रही है। प्रशासन को जल्द से जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए और कार्रवाई करना चाहिए।

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य योजनाओं में मकान निर्माण के लिए ईंटों की मांग बढ़ी है, जिसका फायदा उठाते हुए कई ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर लाल ईंटें तैयार करवा रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई जगहों पर सुरक्षा पर कुछ इंतजाम ही नहीं किया गया है। तारों के ठीक नीचे ही ईटी निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे बड़ी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। न तो वहां सुरक्षा के कोई इंतजाम हैं और न ही किसी तरह की निगरानी। ठेकेदार बाहर से मजदूर बुलाकर इन ईंटों को तैयार करवा रहे हैं। जबकि लाल ईंटों के निर्माण पर रोक लगी हुई है, बावजूद इसके यह काम जोरों से चल रहा है। इस पर चारामा एसडीएम ने कहा कि व्यावसायिक रूप से और नियमों का उल्लंघन कर ईट बनाया जा रहा है वहां पर निरीक्षण कर कार्रवाई करेंगे।

पेज 11 के शेष

कार व ट्रक में...

सुरेंद्र यादव पिता गोविंद यादव बाईक समेत सड़क किनारे गिर गया, जिससे उसके चेहरे, दाहिना पैर व हाथ में गंभीर चोट आया। घायल को ईलाज के लिए सीएचसी चारामा में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी हाईवे पेट्रोलिंग दो को मिली और वह तुरंत मदद के लिए पहुंची। घटना की जानकारी चारामा पुलिस को दिया गया है।

नैनी नदी पर...

इसके बाद भी इन मशीनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। शासन से भी बड़े यह रेत के दलाल हो गए है। रेत दलालों को न ही शासन का डर लगता न किसी से, रात के अंधेरे मे यह काम खुले आम हो रहा। मंचादुर नाके में जो कर्मचारी रहते है, उनके रहते यह सब कुछ हो रहा है। कही ना कही खनिज विभाग की भी मिली भगत की ओर इशारा कर रहे है। ग्रामीणों के द्वारा रेत खदान पर लगे मशीनों पर कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। नैनी नदी पर अवैध रेत खनन पर रोक नहीं लगाने की स्थिति में ग्रामीणों के द्वारा उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई है।

नक्सल पीड़ितों...

कराई जाएंगी। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की नई नक्सल पीड़ति पुनर्वास नीति अंतर्गत पात्र नक्सल पीड़ितों को आजीविका के लिए स्वरोजगार, और छोटे उद्योगों के लिए प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता भी नियमानुसार मुहैया कराई जाएगी। इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, हॉस्टल सुविधा सहित विभिन्न सेवाएं इस नीति के तहत उपलब्ध कराई जाएंगी। खाद्यान्न, पेंशन और बीमा योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पुनर्वास नीति का लाभ हर पात्र परिवार तक पहुंचे और इसमें किसी प्रकार की कोताही न बरती जाएं और साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इन शिविरों में आकर अपनी समस्याएं साझा करें और लाभ उठाएं। उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों को शिविरों में आवश्यक रूप से उपस्थित रहकर लाभार्थियों की सहायता करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा, एसडीएम राजस्व सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जन सहयोग...

सभी लोगों को हर चौक चौराहें पर करके समाजहित के काम में जुड़ना चाहिए। यह बहुत ही नेक पहल जनसहयोग के द्वारा किया गया है। शुभारंभ के अवसर पर भूतपूर्व सैनिक टेश्वर जैन, बल्लू राम यादव, करण नेताम, प्रवीण गुप्ता, धर्मेंद्र देव, सागर देव, दिनेश मोटवानी, विनोद फब्यानी, राकेश साहू, नवाज़ अली, अरविंद चौहान, गोविंद शाहा, कमल शाहा आदि की उपस्थित रही।

खबर संक्षेप

बीपीएल, अनाथ और नक्सल पीड़ितों को मिलेगा प्रवेश

गीदम। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गीदम में कक्षा छठवीं की रिक्त सीटों के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गया है। कक्षा छठवीं की 33 रिक्त सीटों में सभी वर्ग की गरीबी रेखा के नीचे व बीपीएल कार्डधारी, अनाथ, नक्सल पीड़ित, शालात्यागी बालिकाओं को विद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में बालिकाओं के लिए निशुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश, स्टेशनरी, स्वच्छ व पौष्टिक भोजन, जूता मोजा व स्कूल बैग आदि प्रदान किए जाएंगे। विद्यालय में प्रवेश के लिए गीदम ब्लॉक की छात्राएं 20 अप्रैल से 10 मई तक प्रवेश ले सकती हैं।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल

बीजापुर। जनपद पंचायत भैरमगढ़ परिसर में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना था। इस शिविर में चिन्हांकित 27 दिव्यांगजनों को दिव्यांगजन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, साथ ही पात्रता के अनुसार उन्हें विभिन्न सहायक उपकरण भी वितरित किए गए। वितरित उपकरणों में बैटरी चालित सायकिल, व्हील चेयर, स्वेत छड़ी, बैशाखी, वॉकिंग स्टिक, एमआर किट, दृष्टिबाधित किट तथा ट्राइसाइकिल जैसी उपयोगी सामग्री शामिल रही। यह कार्यक्रम सुशासन उत्सव के तहत आयोजित किया गया था, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य लच्छूराम मोड़ियामी, सामन्ति कश्यप, प्रीति आरकी, दसरी कोरसा, जितेन्द्र, मोतीराम कुशरामी, नीलों लेकाम, जमुना सकनी, चिन्ना तेलाम, बलदेव उरसा, सुनील दरसा, पोदिया राम हपका, पुनीत राम साहू तथा उप संचालक समाज कल्याण कमलेश कुमार पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हेल्थ केयर एवं आईटी ट्रेड में इंटर्नशिप हुआ

दंतेवाड़ा। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर दंतेवाड़ा में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत संस्थान के हेल्थ केयर एवं आईटी ट्रेड अन्तर्गत 10 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम विगत 15 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस क्रम में 54 छात्राओं को इंटर्नशिप प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता एवं उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्षा एवं जिला पंचायत सदस्य कमला विनय नाग ने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामनाएं दी है।

मत्स्य पालन आधुनिक तरीके अपनाने की दी सलाह

दंतेवाड़ा। मत्स्य विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार अध्यक्ष मछुआ कल्याण बोर्ड भरत मटियारा द्वारा जिला पंचायत दंतेवाड़ा के सभाकक्ष में समस्त मछुआ सहकारी समिति एवं निजी मत्स्य कृषकों से मछली पालन संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर उन्हें मत्स्य पालन से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभ उठाने का आग्रह किया गया।

शीघ्र जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करें

विधायक ने आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र चन्द्रगिरी का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दरभा

गुरुवार को दरभा क्षेत्र भ्रमण के दौरान चित्रकोट विधायक विनायक गोयल दरभा क्षेत्र के ग्राम चन्द्रगीरी स्थित आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा की स्वास्थ्य केंद्र का भवन, जिसे लगभग 5 वर्ष पूर्व निर्माण कराया गया था, जो आज वर्तमान में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल को इस ग्राम में बने आयुर्वेदिक स्वास्थ केंद्र भवन की जानकारी देते बताया कि यह भवन अत्यंत जर्जर हो चुकी है इस आयुर्वेदिक भवन को बने पांच साल हीं हुए है लेकिन आज पर्यन्त इस भवन का हालत काफ़ी जर्जर हालत में दिख रही है। इस भवन में मरीज अपने इलाज के लिए आते है तो उन्हें यह नहीं पता रहता की छत से फफड़ी सीमेंट कब उनके उपर गिर जाये। स्थानीय ग्रामीणों की मांग है की स्वास्थय केन्द्रों जैसे भावनों का सही गुणवत्ता रखा जाये ताकि भविष्य में किसी तरह की अनहोनी न हो। यह अत्यंत दुखद और चिंताजनक है कि जनता की स्वास्थ्य सेवाओं हेतु निर्मित यह भवन, आज जर्जर हालत में खड़ा है। विनायक गोयल ने बताया कि यह भवन निर्माण के दौरान गंभीर अनियमितताओं और ठेकेदार द्वारा सरकारी राशि के दुरुपयोग की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है।

विधायक ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलबी की एवं शीघ्र जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है, जहाँ जनसेवा हेतु स्वीकृत राशि को कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा गबन कर लिया गया।

जीपीएफ पासबुक संधारण के संबंध में डीईओ को पत्र

भोंड। बस्तर जिले में कार्यरत एलबी संवर्ग के शिक्षकों की जीपीएफ पासबुकों का संधारण विगत कई वर्षों से लंबित है। शिक्षकों के खातों से 2018 से नियमित रूप से राशि कट रही है, लेकिन आज तक अधिकांश विकासखंडों में पासबुक संधारित नहीं की गई है। इस गंभीर समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ, बस्तर के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार तिवारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर समस्या से अवगत करवाया। संघ ने कहा कि जीपीएफ पासबुक अद्यतन नहीं होने से शिक्षकों को अपनी बचत की जानकारी तक नहीं मिल पा रही है, जिससे भविष्य की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल संज्ञान लिया और जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों बीइओ को पत्र जारी किया। पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 10 दिनों के भीतर सभी एलबी संवर्ग शिक्षकों की जीपीएफ पासबुकों का संधारण पूरा किया जाए। डीईओ बलीराम बघेल ने यह भी कहा कि समयसीमा में कार्य पूरा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। संघ ने यह भी बताया कि इससे पहले शिक्षकों से पासबुक भरवाकर विकासखंड कार्यालय में जमा करवाए गए थे, लेकिन आज तक उन्हें अपडेट नहीं किया गया।

नाबालिग की शादी पर लगी रोक

बाल विवाह रोकथाम जागरूकता का दिखा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांता कुमार मेश्राम के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा नियमित रूप से ग्राम पंचायतो में शिविर, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से एवं स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान कार्यक्रम कर बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए बृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

आंगनबाडी केन्द्र रानीबोदली कार्यकर्ता के माध्यम से बाल विवाह की सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक प्रियंका भारद्वाज, ललिता साहू, कु. पुष्पा गेंदरे एवं राजेश मडे, जगत मलहोत्रा का टीम बनाकर ग्राम पंचायत रानीबोदली में परिवार वाले से गृहभेट किया गया। इस दौरान पाया गया कि बालिका की उम्र 17 वर्ष है, बालिका 9वीं की पढ़ाई करकर छोड दी है इस पर परिवार वालों को ग्रामीणजनो के समक्ष समझाया गया कि लडकी की उम्र 18 वर्ष से कम एवं लडका का उम्र 21 वर्ष से कम होने पर बाल विवाह की श्रेणी में आते है बाल विवाह एक कानूनन अपराध है बाल विवाह करने, कराने एवं शादी में सम्मलित होने वाले लोगों पर 2 वर्ष की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है। समझाईस के बाद परिवार वाले द्वारा बाल विवाह नही करने का वादा किया गया एवं बालिका की उम्र निर्धारित आयु पूर्ण करने पर ही शादी करने की बात कही गई।

टीम द्वारा कार्यकर्ता को सजग रहने की बात बताते हुए परिवार वाले एवं ग्रामीणजनो को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सुशासन तिहार के आवेदनों का संतुष्टि परक एवं स्वीकार्य निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

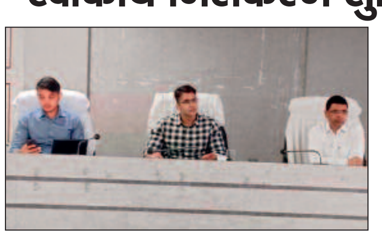

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2025 के प्रथम चरण के तहत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि सभी विभाग प्रमुख निराकृत करने के लिए तय किए गए समयावधि में आवेदन समाधान को सर्व प्राथमिकता देवें।

इसके लिए सर्वप्रथम प्राप्त आवेदनों मांगो शिकायतों का स्क्रुटनी करें और अपने कार्यालय स्तर के आवेदनों को बिना देरी किए समाधान करने में जुट जाएं चूंकि कई आवेदन ऐसे भी होंगे जो शासन स्तर पर ही निराकृत हो सकते है ऐसे आवेदनों का वर्गीकरण करके अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन ले और आवेदकों की मांगों के समाधान का यथासंभव स्वीकार्य जनक हल निकाले। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा सुशासन तिहार की विभागवार ऑनलाइन एंट्री की प्रगति की जानकारी लेते हुए इसे मिशन मोड में करने का निर्देश दिया।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार के संदर्भ में बताया कि सुशासन तिहार आम जनता से सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम है। आमजनों की समस्याओं को धरातलीय स्तर पर जानने समझने और उसके निराकरण का यह उपयुक्त अवसर है ताकि उन्हें विश्वास दिलाया जा सके कि शासन प्रशासन उनके मांगों शिकायत समस्याओं का निराकरण करने के लिए तत्पर है। उल्लेखनीय है सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत जिले के पंचायत, ब्लॉक एवं नगरीय निकाय कार्यालयों में समाधान पेटियों और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कुल लगभग 38,116 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अतः शासन की मंशानुरूप अपनी विभागीय सेवाओं को कार्यशील बनाने के लिए सुशासन तिहार 2025 में प्राप्त आवेदनों का सौ प्रतिशत निराकरण करना सुनिश्चित करें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा एक जुमला वास्तविक लाभ नहीं : बघेल

घाटलोहंगा। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा 2023 के आयोजन की घोषणा की गई थी, जिसे प्रधानमंत्री के महत्वकांक्षी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करने के रूप में प्रस्तुत किया गया था। हालांकि इस यात्रा के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन यह केवल कागजों और प्रचार-प्रसार तक सीमित रही। इस यात्रा के तहत लाभार्थियों को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिला और न ही सरकार ने इस संदर्भ में कोई स्पष्ट जवाब दिया है। बस्तर जनपद पंचायत सदस्य हेमराज बघेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा एक मात्र प्रचार अभियान बनकर रह गई है। यह कोई वास्तविक कदम नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुमला है जिसका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ हासिल करना था। यात्रा के दौरान सभी गांवों में सैकड़ों आवेदन जमा किए गए, लेकिन अब तक कोई वास्तविक निराकरण नहीं हुआ है। सरकारी दावे और वास्तविकता में कोई मेल नहीं है। श्री बघेल ने आगे कहा, श्यह यात्रा उन सभी लोगों के लिए निराशा का कारण बनी है जिन्होंने उम्मीद की थी कि इस योजना के तहत उन्हें कुछ सुविधा या लाभ मिलेगा। यात्रा के दौरान सरकार ने केवल योजनाओं का उद्घाटन किया और उनके प्रचार के लिए भारी खर्च किया। लेकिन इन योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच सका।

रिकार्ड समय में सहायक शिक्षक से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

दंतेवाड़ा जिला में सहायक शिक्षक से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण की गई। जिससे दंतेवाड़ा जिला के शिक्षकों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ दन्तेवाड़ा के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ने बताया है कि जिला में सहायक शिक्षक से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के रिक्त पदों पर अविलम्ब पदोन्नति की मांग जिला शिक्षा अधिकारी से किया था जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी महोदय ने पदोन्नति की प्रक्रिया की शुरूवात करते हुए कुल 38 पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया संपन्न की। इन पदों के विरूद्व 16 अप्रैल को काउंसलिंग की प्रक्रिया में 34 सहायक शिक्षक उपस्थित हुए एवं 05 सहायक शिक्षक अनुपस्थित थे। इन 34 सहायक शिक्षकों में से 11 सहायक शिक्षकों ने प्रधान पाठक प्राथमिक के पद पर पदोन्नति लेने के बजाय शिक्षक पद पर पदोन्नति लेने हेतु आवेदन जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्णय लेना है। शालेय शिक्षक संघ लगातार शिक्षक हित में कर्मचारियों के मनोबल एवं कार्य दक्षता पर अनुकूल प्रभाव हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं संयुक्त संचालक शिक्षा, बस्तर से प्रधान पाठक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक एवं शिक्षक पद हेतु लगातार मांग करता रहा है जिसके परिणाम स्वरूप जिला शिक्षा अधिकारी दंतेवाड़ा एस के अंबस्ट ने रिकार्ड समय में डिपार्टमंटल प्रमोशन कमेटी (डी.पी.सी) की बैठक आयोजित कर पदोन्नति एवं पदस्थापना हेतु निष्पक्ष एवं पारदर्शी काउंसलिग प्रक्रिया अपनाते हुए पदोन्नति संपन्न करवाया।

इस पदोन्नति की प्रक्रिया त्वरित संपन्न करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं उन्के कार्यालय को शालेय शिक्षक संघ के प्रांतीय पदाधिकारी शैलेष सिंह, कुलदीप चौहान, दीपमाला वेक, नीतु पारधी, वेदिका नाग, कमल कर्मकार, पुरूषोत्तम लाल साहू, धीरेन्द्र सिंह गौतम, दिनेश गभेल, गजलू पोडियाम, अंकित गुप्ता, विनय प्रधान, राकेश मिश्रा, केशव स्वर्ण, आनंद मुडामी आदि ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कंप्यूटर से लेकर कला तक बच्चों और युवाओं को मिलेगा आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानपुरी

बस्तर विकासखंड के ग्राम पंचायत राजपुर में इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश को रचनात्मक और उपयोगी बनाने के लिए एक अभिनव समर कैंप की शुरुआत की गई है। इस कैंप का उद्घाटन स्थानीय शिक्षकों और समुदाय के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल और रचनात्मक शिक्षा से जोड़ना है। बच्चों को बेसिक कंप्यूटर नॉलेज के साथ-साथ हार्डवेयर की प्रारंभिक जानकारी भी दी जा रही है। यह प्रशिक्षण बच्चों को न केवल तकनीकी ज्ञान देगा, बल्कि उनके आत्मविश्वास और करियर विकल्पों को भी नया रास्ता दिखाएगा।

इस समर कैंप की खासियत यह है कि बच्चों को कंप्यूटर और हार्डवेयर ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे तकनीकी युग के अनुरूप शिक्षा प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही नृत्य, पेंटिंग, कला और इंग्लिश स्पीकिंग जैसी गतिविधियाँ भी शामिल की गई हैं, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से 8 कंप्यूटरों की व्यवस्था की गई है और वाई-फाई की सुविधा के साथ एक पूरी कंप्यूटर लैब तैयार की गई है। सबसे खास बात यह है कि बच्चों को कंप्यूटर सीखने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

समर कैंप का संचालन प्रातः 8 से 10 बजे तक किया जाएगा और गतिविधियों की जानकारी बच्चों को पहले ही यूट्यूब के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जिससे वे पहले से तैयारी कर सकें। प्रत्येक सत्र में बच्चों को कंप्यूटर के बेसिक ऑपरेशन, टाइपिंग, पेंट, एमएस वर्ड, इंटरनेट उपयोग जैसे विषयों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इंटरनेट और वाई-फाई की सुविधा के चलते अब बच्चे डिजिटल दुनिया से सीधे जुड़ पा रहे हैं। इस पहल से बच्चों को न केवल स्कूली शिक्षा के साथ डिजिटल शिक्षा भी मिल रही है, बल्कि यह उन्हें नवीनतम तकनीक के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बना रहा है। गांव के वे बच्चे जो पहले कंप्यूटर को केवल किताबों में देखते थे, अब उसे अपने हाथों से चला रहे हैं, यह दृश्य बेहद प्रेरणादायक है।

पोषण के महत्व के बारे में दी गई उपयोगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पोषण अभियान का आयोजन किया जा रहा है कुपोषण एवं एनीमिया के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाने के उद्देश्य से पोषण अभियान का संचालन किया जा रहा है।

इस दौरान सभी ग्राम पंचायतो में नवजात बच्चें के जीवन के प्रथम 1000 दिवस के दौरान पोषण के महत्व पर जानकारी दिया जा रहा है। आंगनबाडी केन्द्र में गर्भवती माता, शिशुवती माता एवं देखभालकर्ताओं को जीवन के प्रथम 1000 दिवस के दौरान पोषण की महत्व की जानकारी देते हुए समुदाय के साथ बैठक का आयोजन किया जा रहा है जिसमे , विशृद्ध स्तनपान एवं आहार के संबंध में व्यक्तिगत रूप से परामर्श करना भी बताया जा रहा है। व्यक्तिगत एवं समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधित व्यवहार परिवर्तन पोषण अभियान एक मुख्य उददेश्य है। पोषण माह आयोजन अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। जिसके अंतर्गत जिले के विभिन्न सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधियों, स्व सहायता समूहों एवं स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, आदिम जाति विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, महा विद्यालय, एवं यूनिसेफ व वर्ड विजन से समन्वय कर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन जैसे की वजन त्यौहार में छूटे हुए बच्चों का वजन, ग्राम पंचायतों पर व्यापक प्रचार प्रसार, नारा, स्लोगन, गंभीर कुपोषित, मध्यम कुपोषित बच्चों का चिंहाकन, गृहभेंट ऑगनबाड़ी एवं स्कूलों में विभिन्न प्रकार के फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन, शालाओं में चित्रकला का आयोजन, शालाओं में पोषण प्रतिज्ञा, ग्राम स्तर पर पंजीयन जागरूकता रैली, स्थानीय स्तर पर उत्पादित होने वाले पौष्टिक सब्जी/अनाज से बनाये गये व्यंजनों का प्रदर्शन, पंचायत प्रतिनिधि, स्व सहायता समूहों का उन्मुखीकरण, पोषण आहार विविधिता के विषय में जागरूकता, पोषण प्रश्नोत्तरी, मासिक धर्म एवं स्वच्छता प्रबंधन पर चर्चा, कॉलेजों एवं स्कूलों में पोषण पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाना है।

सरकार ने किया डॉ. अंबेडकर का अपमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती थी, जिस दिन प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम सभा आयोजित करने की घोषणा की गई थी लेकिन हकीकत में अधिकांश पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन नहीं किया गया, जिससे डॉ. अंबेडकर की विरासत का अपमान माना जा रहा है।

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक लखेश्वर बघेल ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर की जयंती पर ग्राम सभा का विशेष महत्व होता है यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतंत्र की असली पहचान होती है। शासन ने गंभीरता पूर्वक नहीं ली। जिससे ग्राम सभा के लिए एजेंडा तो जारी कर दिया, लेकिन धरातल पर ग्राम सभा आयोजित ही नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ दिखावे की बड़ी-बड़ी बातें कर रही है, जबकि गांवों में वास्तविक कार्यवाही नदारद है। यह साबित करता है कि प्रदेश सरकार डॉ. आंबेडकर के विचारों और उनके प्रति सम्मान को लेकर गंभीर नहीं है। स्थानीय लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों का भी कहना है कि उन्हें ग्राम सभा की पूर्व जानकारी नहीं दी गई, न ही कोई आयोजन की तैयारी की गई थी इससे गांवों में नाराजगी का माहौल है। एक माह से सचिव संघ अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे है मोदी की गारंटी की बात करते हैं लेकिन विधानसभा चुनाव के पूर्व मोदी की गारंटी कह कर घोषणा पत्र में शामिल की गई थी लेकिन भाजपा के लोगों में करनी और कथनी में अंतर है। बस्तर विधायक ने कहा कि नव निर्वाचित सरपंचों का अभी तक कई जगहों पर प्रभार नहीं मिला है जिसकी वजह से सरपंचों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है वही सचिव हड़ताल पर हैं विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी की बात कही गई थी लेकिन सचिवों की मांग पूरी भी कर नहीं सकी सरकार।

पोषण पखवाड़ा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में सुकमा जिले में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य जिले को कुपोषण और एनीमिया से मुक्त करना है। महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में कलेक्ट्रेट परिसर से जनजागरूकता हेतु पोषण पखवाड़ा रख को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पोषण रथ सुकमा, छिन्दगढ़ और कोंटा विकासखंड के गांव गांव जाकर ग्रामीणों को पूरक पोषण आहार लेने हेतु जागरूक करेगा। इस अभियान का मूल उद्देश्य जीवन के पहले 1000 दिन गर्भावस्था से दो साल की उम्र तक में पोषण को प्राथमिकता देना है, जो बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास की नींव रखते हैं। इस जन जागरण अभियान में हर ग्राम पंचायत, हर आंगनबाड़ी केंद्र और हर घर को जागरूकता का केंद्र बनाया बनाया जा रहा है। गर्भवती महिलाएं और शिशुवती माताएँ अब पोषण के महत्व को समझ रही हैं और पूरक पोषण आहार को अपने व्यवहार में भी शामिल कर रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा कुपोषण और एनीमिया को मात देने यह अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे, नगरपालिका अध्यक्ष सुकमा श्री हुंगाराम मरकाम, जनप्रतिनिधि श्री विश्वराज सिंह चौहान, श्री रंजीत बारठ, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री बिस्मिता पाटले, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री जितेन्द्र सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

HEALTH TOWN
अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सार्वजनिक स्थल पर शराबखोरी तीन युवक पकड़े गए

कांकेर। गोण्डाहूर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिला कि तीन व्यक्ति सार्वजनिक स्थान गोण्डाहूर गौठान के रोड किनारे में शराब पी रहे है, जिससे आने जाने वाले को परेशानी हो रही है। जानकारी कि तस्दीक करने के उपरांत 16 अप्रैल को रात साढ़े 10 बजें घेराबंदी किया गया। पुलिस को आता देख आरोपियों ने शराब और डिस्पोजल को फेंक दिया। गोण्डाहूर गौठान के पास तीन व्यक्ति महुआ शराब सेवन कर रहें थे, जिन्हे पकड़ा गया। मौके से आरोपी 30 वर्षीय दिपांकर बछाड़ पिता साधू बछाड़, 29 वर्षीय आलोक मंडल पिता कार्तिक मंडल और 32 वर्षीय गौतम किर्तनिया पिता रंजित किर्तनिया सभी पीव्ही 47 राधानगर को पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 36 (च) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर

भाजपा का कांग्रेस भवन के सामने आज धरना प्रदर्शन

कांकेर। भारतीय जनता पार्टी जिला कांकेर द्वारा आज 18 अप्रैल को सुबह 10 बजे कांग्रेस भवन कांकेर के सामने नेशनल हेराल्ड घोटाले व भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस व गांधी परिवार के खिलाफ धरना प्रदर्शन व पुतला दहन किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष महेश जैन ने बताया कि नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ चार्ज शीट दायर होने पर दोनों मां बेटे व कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी द्वारा व युवा मोर्चा के द्वारा धरना प्रदर्शन व कांग्रेस का पुतला दहन किया जाएगा।

सामान्य सभा की बैठक 22 को

कांकेर। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 22 अप्रैल को अपरान्ह 02 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक जिला पंचायत की अध्यक्ष किरण नरेटी की अध्यक्षता में आहूत की गई है। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने सर्व संबंधित विभागीय अधिकारियों को एजेण्डावार अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

कर्मचारी हलचल : भेदभाव को समाप्त कर समान अधिकार दिए जाने की करी मांग

विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने की सीएम से सौजन्य भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

छग स्टेट पॉवर कंपनी कार्यालयीन कर्मचारी संघ जगदलपुर ईकाई के सदस्यों के द्वारा मुख्यमंत्री से सौजन्य भेंट कर बस्तर क्षेत्रांतर्गत विद्युत विभाग के अधीन कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ प्रदेश स्तर के कार्यालय के द्वारा किए जा रहे भेदभाव से अवगत कराया और साथ ही बस्तर में कार्यरत कार्मिकों के साथ किए जा रहे सौतले व्यवहार के लिए संघटन के पदाधिकारियों ने विद्युत कंपनी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

- कर्मचारियों ने सीएम के सामने रखी अपनी समस्या

बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र के अंतर्गत ऊर्जा विभाग के अधीन कार्यरत कर्मचारी अपने मुखिया से अपने ज्वलंगत मांगो एवं पॉवर कंपनी प्रबंधन के द्वारा इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के साथ किए जा रहे भेदभाव को समाप्त कर समान अधिकार प्रदाय किए जाने की मांग की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने सिलसिलेवार मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति पूर्व की भांति प्रदेश स्तर पर किया जाए, बस्तर एवं सरगुजा आज भी अनेकों कारणों से प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से पिछड़ी हुई है एवं इन क्षेत्रों को प्रदेश के अन्य क्षेत्र के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने एवं मुख्य धारा से जोड़ने के लिए इन क्षेत्रों को अन्य क्षेत्रों के साथ आगे बढ़ने के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए आज अपनू पूरे अमले के साथ उपस्थित हुए हैं। ऐसे में विद्युत कंपनी प्रबंधन बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र में कार्यरत कार्यालयीन कैडर के कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति न मिले इस लिए षड़यंत्रपूर्वक संदर्भित आदेश जारी किया गया है, जिसके तहत पूरे प्रदेश में केवल बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रांतर्गत कार्यरत कार्यालयीन कैडर के कर्मियों की पदोन्नति में अड़चन लाने के लिए अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति क्षेत्रीय स्तर से किए जाने के संबंध में दो वर्ष पूर्व आदेश जारी किया गया है। इन दोनों क्षेत्रों में कार्यरत कर्मियों को अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति समय पर न मिल सके। पॉवर कंपनी प्रबंधन में पूर्व में प्रचलित नियमानुसार

जिसमें कार्यालय सहायक श्रेणी-एक से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति राज्य स्तर से किए जाने के लिए पॉवर कंपनी प्रबंधन को निर्देशित करने का कष्ट करें, पॉवर कंपनी के अधीन वर्ष 2016 एवं 2018 के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में लाईन परिचारक श्रेणी-तीन (संविदा) के पदों पर लगभग 2471 से अधिक लाईन कर्मचारियों की नियुक्तियाँ की गई हैं, जिनकी संविदा अवधि लगातार प्रत्येक वर्ष वृद्धि की जा रही है। आज उन कर्मियों को अल्प वेतन में नियुक्त हुए लगभग 9 वर्ष से भी अधिक समय व्यतीत हो चुका है। लगभग 30 से अधिक संविदा कर्मियों ने कंपनी की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहूति दी है। विगत 9 वर्षो में पूरे राज्य में लगभग 130 से 140 से ज्यादा विद्युतीय दुर्घटनाएं घटित हुई हैं, जिनके शिकार ये संविदाकर्मी हुए हैं। आज पूरे प्रदेश में लाईन कर्मचारियों के लगभग 4748 पद रिक्त हैं, जिनमें इन संविदाकर्मियों को आसानी से नियमित नियुक्ति प्रदान की जा सकती हैं।

पॉवर कंपनी के तहत कार्यरत कार्यालयीन कर्मचारियों को विशेष कम्प्यूटर प्रोत्साहन भत्ता प्रदान किया जाए। पॉवर कंपनी अधीन कार्यरत सभी मिनिस्ट्रीयल कैडर के कर्मचारियों को उनके मूलवेतन का 3 प्रतिशत राशि विशेष कम्प्यूटर प्रोत्साहन भत्ता के रूप में प्रदाय किया जाए, पॉवर कंपनी अधीन तकनीकि कर्मचारियों एवं अभियंताओं को मूलवेतन का 3 प्रतिशत राशि तकनीकि भत्ता के रूप में पहले से प्रदान की जा रही है। पॉवर कंपनी में केवल मिनिस्ट्रीयल कैडर के कार्मिकों के साथ भेद-भाव पूर्ण व्यवहार किया जाना सर्वथा अनुचित है, बस्तर एवं सरगुजा में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों से कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए निर्धारित वार्षिक शुल्क आधी लिया जाए, बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र में कार्य कर रहे कर्मियों के पास मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, न ही उचित स्वास्थ्य सुविधा है न ही शिक्षा का उचित प्रबंधन है, उसके बाद भी इन क्षेत्रों में कार्य कर रहे कार्मिकों एवं अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे कार्मिकों के मध्य समान अवसर, समान सुविधाओं की बात प्रबंधन कैसे ला सकती है, इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं शिक्षा की स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। एक ओर रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर जैसे नगरों में हर 5 मिनट की दूरी पर एक सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल उपलब्ध है, वहीं बस्तर जैसे सुदूर क्षेत्र में 300-400 किलोमीटर तक अच्छी स्वास्थय सुविधाओं का पूर्णतः अभाव है। उसके बाद भी पॉवर कंपनी बस्तर क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों से कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लिए अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे कर्मियों के समान ही निर्धारित शुल्क ली जा रही हैं, बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र में कार्य कर रहें कार्मिकों से तत्काल उक्त राशि को आधी लिए जाने का प्रावधान शामिल किए जाने के निर्देष पॉवर कंपनी प्रबंधन करें, पॉवर कंपनी के अधीन निम्नतर पदों की भर्तियाँ तत्काल बंद की जाए, कार्यालयीन कैडर में नियुक्त कर्मी के लिए क्लास-दो तक आने के रास्ते आसान किया जाए। संगठन की ओर से मुख्यमंत्री से मुलाकात करने अध्यक्ष गगन हिरवानी, कोषाध्यक्ष योगेन्द्र कश्यप, मनोज गुप्ता, हेमेश्वर पोया, परशुराम महाराणा, संतोष दास, गुलाब देवांगन, उमेश्वर जैन व अन्य उपस्थित रहें।

मोर दुआर-साय सरकार पखवाड़ा सांसद ने किया भैंसगांव का सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के लिए जिले में मोर दुआर-साय सरकार पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग ने अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत भैंसगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस सूची में छूटे हुए पात्र परिवारों का नाम जोड़ने के लिए सर्वे किया। अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत भैंसगांव सर्वे में सांसद भोजराज नाग ने पात्र हितग्राहियों से चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवास प्लस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पात्र परिवारों का सर्वे किया जा रहा है। पात्र हितग्राही अपने ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा आवास मित्र से सम्पर्क करके अपना सर्वे कार्य पूरा करवा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रदेश के स्थायी प्रतीक्षा सूची एवं आवास प्लस सूची में छूटे हुए पात्र ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित करने हेतु सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 सितम्बर 2024 को आवास प्लस 2.0 मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ किया गया है। प्रदेश में सर्वेक्षण को शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के लिए मोर दुआर-साय सरकार महाअभियान के तहत 15 से 30 अप्रैल की अवधि में विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

ग्राम सभा में मुख्य निर्माण कार्यों और समस्याओं पर की गई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

ग्राम पंचायत सोनेकन्हार के आश्रित ग्राम बीरकोंदल में ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

- बीरकोंदल में हुई सभा, सभी गांव वाले रहे उपस्थित

आयोजित ग्राम सभा में ग्राम सभा का नवनिर्वाचन अध्यक्ष एक वर्ष के लिए ऋषि राम हुर्रे को बनाया गया, जिसमें ग्राम के सभी लोग उपस्थित रहे। ग्रामसभा में गांव में मुख्य निर्माण कार्यों और समस्याओं पर विचार कर प्रस्ताव पारित करवाने की योजना बनाई गई।

आयोजित ग्रामसभा में नल जल योजना संबंधित समस्या को ठीक करना, सड़क मुर्मिकरण बीरकोंदल से सोने कन्हार सिक्सोड, बोरकोंडल से सोनेकान्हार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ना, मार्ग में आने वाले पुल पूर्णिया का निर्माण करवाना, देवघर के पास पुलिया बनवाना, आवश्यक जगह पर नलकूप खनन कार्य, आंगनवाड़ी में बाउंड्री वॉल का निर्माण, उप स्वास्थ्य केंद्र में बाउंड्री वालों का निर्माण, ट्रांसफार्मर के जगह को बदलना, प्राथमिक शाला में बालिका शौचालय निर्माण कार्य, आवश्यकता अनुसार गांव में सीसी रोड नाली का निर्माण करवाना और साथ ही स्कूल के मैदान क्षेत्र को सुरक्षित करना और उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मचारी के निवास की व्यवस्था करवाना। ग्राम सभा में नव निर्वाचन सरपंच सोनूराम दरों और उपसरपंच अजय कुमार नुरुटी, पंच नकुल राम हिडामी, विकाश, नरहरदेव गावड़े, यादव समाज उपाध्यक्ष बीरू राम यादव, दिलीप चक्रधारी, उत्तमचंद हुर्रा, सन्नूराम सलाम, सुशील चक्रधारी, रामभरोस नुरुटी, अजय कुमार ध्रुवा, संतु राम यादव, प्रेमबत्ती दरों, गीता गावडे, हीरो बाई, सावंत दरों, हरिलाल गावडे, माखनलाल ध्रुव और समस्त ग्रामवासी शामिल रहे।

गोयल ग्रुप ने गोंडवाना समाज समन्वय समिति को दिया प्रोजेक्टर एवं कम्प्यूटर

दुर्गूकोंदल। विकासखण्ड दुर्गूकोंदल के ग्राम हाहालद्दी में संचालित गोयल ग्रुप के खदान प्रबंधन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देते हुए भानुप्रतापपुर के गोंडवाना भवन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र छात्राओं के लिए प्रोजेक्टर एवं कम्प्यूटर की व्यवस्था की।

कुछ दिनों पूर्व सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता ललित नरेटी द्वारा गोयल ग्रुप के संज्ञान में लाया था कि गोंडवाना समाज समन्वय समिति द्वारा नवोदय, एकलव्य, प्रयास, केंद्रीय तथा सैनिक स्कूलों में चयन के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भानुप्रतापपुर के गोंडवाना भवन में सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा करवाई जाती है। परीक्षा की तैयारियां और बेहतर ढंग से करवाई जा सके इसके लिए हमें कम्प्यूटर एवं प्रोजेक्टर की आवश्यकता है। इस पर गोयल द्वारा संज्ञान लेते हुए आज गोंडवाना समाज समन्वय समिति को कम्प्यूटर एवं प्रोजेक्टर प्रदान किया गया। प्रोजेक्टर एवं कम्प्यूटर मिलने से छात्रों में खासा उत्साह देखा गया। गोयल ग्रुप के सीनियर मैनेजर रवि तिवारी नें बताया कि उनका संस्थान अपने सामाजिक सरोकारों के लिए सदैव तत्पर रहता है तथा सामाजिक सरोकार का फायदा हर व्यक्ति तक पहुचे इसके लिए प्रयासरत रहता है। शिक्षा मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और इसे ग्रहण करने में हमारे द्वारा जो भी सहयोग सम्भव होगा उसे पूरा करने का सदैव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर गोयल ग्रुप की ओर से रवि तिवारी, बलराम लखेड़ा, योगेश पटेल एवं लोकेश दुग्गा के अलावा ललित नरेटी, अध्यापिका रोजी गावड़े एवं गोंडवाना समाज समन्वय समिति के सचिव कांशी दरों, पटेल संघ के अध्यक्ष तिलक दरों, बाँसला परगना के प्रमुख लक्खू दरों एवं अन्य पदाधिकारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भारत के धन धान्य से संपन्नता का प्रतीक है फसल उत्सव

येलो कलर डे में बच्चों ने धूप से बचने और पशु पक्षी को दाना-पानी देने का दिया संदेश

कांकेर। पैराडाइज हायर सेकेंडरी सीबीएसई स्कूल में येलो कलर डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और उल्लास के माहौल में किया गया। यह कार्यक्रम भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले त्योहार मकर संक्राति, पोंगल और बीहू, वैशाखी, वीशु आदि फसल उत्सव का प्रतीक तथा भारत के धन धान्य एवं संपन्नता का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरूआत विजयलक्ष्मी कौशिक, अनु गुप्ता, सुनीता मोटवानी, विनिता बुधवानी, पायल मोटवानी, विजया आसरानी, पद्मिनी साहू, हर्षा राजगोपाल कोठारी सुनहरे कदम एवं सखी सहेली अतिथियों के सदस्यों के स्वागत के साथ किया गया। उन्होंने न केवल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, बल्कि बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रम का आनंद उठाया। बच्चों ने पीले रंग के परिधान पहनकर फैंशन शो में भाग लिया, जिसमें पीले रंग से संबंधित गतिविधियाँ जैसे ड्राईग करना, रंग भरना, फसलो, फूलों की पहचान, गीत एवं कविता पाठ प्रस्तुत किया। पीले रंग का महत्व और फसल उत्सवों की जानकारी शिक्षकों द्वारा बच्चों को दी गई। इस अवसर पर स्कूल परिसर को पीले फूलों से, पीले गुब्बारों और पीले रंगीन पेंपर से सजावट किया गया, जिससे वातावरण में उत्सव की उमंग और भी बढ़ गई। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल रंगों की पहचान करवाना था, बल्कि भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से बच्चों को जोड़ना भी था। इस कार्यक्रम में बच्चों को धूप से बचने के लिये छाता, चश्मा, कैप आदि का उपयोग करने तथा ग्रीष्म में पशु-पक्षियों के देखभाल और दानापानी देने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य रश्मि रजक ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में रचनात्मकता, सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक समझ को विकसित करते हैं। इस कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर पूनम जीत कौर के मार्गदर्शन एवं इन्चार्ज शिक्षक वर्षा रमानी, अपूर्वा ठाकुर, मेघा सेवा, सबाना परवीन, एस मर्सी, सरिता मिश्रा, सपना पाण्डे, कमलप्रीत कौर, रामेश्चरी साहू, यमुना बिलोधिया का अथक योगदान रहा।

आत्मानंद विद्यालयों के आहरण संवितरण अधिकार हुआ बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

पिछले शासन में अनेक विद्यालयों को आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय के रूप में परिवर्तित विद्यालय के प्राचार्यों के आहरण संवितरण अधिकार समाप्त कर दिया था और वहां कार्यरत समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों के वेतन अन्य विद्यालयों से आहरित करने के निर्देश कर अंतिम वेतन प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया था। इससे बड़ी विडंबनापूर्ण स्थिति बन गई थी कि शिक्षक काम करता था आत्मानंद विद्यालय में और वेतन अन्य विद्यालय के रिक्त पदों से आहरित होता था। जिन विद्यालयों के रिक्त पद से वेतन आहरित हो रहा था वहां शिक्षक पदस्थ इसलिए नहीं हो पा रहा था, क्योंकि वहां से वेतन आत्मानंद में कार्यरत शिक्षक का आहरित होता था।

- संगठन की मांग को देखते हुए शासन ने आदेश लिया वापस

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष टिकेश ठाकुर ने बताया कि संगठन ने शासन और जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष इसका पुरजोर विरोध किया और मांग किया कि आत्मानंद विद्यालयों के आहरण संवितरण अधिकार वापस दिलाया जाए ताकि जो शिक्षक जहां पदस्थ है वही से वेतन आहरण हो। संगठन की मांग सकारात्मक शिक्षा की सोच को देखते हुए शासन ने उक्त आदेश को वापस लिया। जिला अध्यक्ष ने बताया कि जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कन्या हायर सेकंडरी अंतागढ़, बालक हायर सेकंडरी नरहरपुर, हाई स्कूल हरनगढ़, हायर सेकंडरी भानुप्रतापपुर, हायर सेकंडरी दुर्गुकोंदल, बालक हायर सेकंडरी चारामा के आहरण संवितरण अधिकार जिला शिक्षा अधिकारी अशोक पटेल ने बहाल कर दिया है। अब शिक्षकों, कर्मचारियों के वेतन आत्मानंद विद्यालयों के प्राचार्य, आहरण अधिकारी ही जारी करेंगे अन्य आर्थिक मामले भी निराकृत होंगे। आत्मानंद विद्यालयों को डीडीओ बहाल करने पर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष टिकेश ठाकुर, संभागीय उपाध्यक्ष प्रवीण पांडे, जिला उपाध्यक्ष दसरी जूरी, ब्लाक अध्यक्ष ज्योति, तहसील अध्यक्ष मनोज जैन, नगर अध्यक्ष ब्रह्मानंद गजभिए, ब्लाक अध्यक्ष जौहर ठाकुर, पारस उसेंडी, देवकरण भास्कर, जीवन नेताम, चेतन पोटाई, दुर्जन कुमेटी, यमुना रानी पटेल व वाईपी रणबांकला आदि ने जिला शिक्षा अधिकारी अशोक पटेल, एपीसी नवनीत पटेल को आभार व्यक्त किया है।

अटैच व्याख्याता के व्यवहार को लेकर बीईओ को सौंपा ज्ञापन

दुर्गूकोंदल। कन्या हाईस्कूल दुर्गूकोंदल में अटैच व्याख्याता रैमन यदु को मूल संस्था भेजने जनपद सदस्य एवं स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सभापति, शिक्षा समिति अध्यक्ष के नेतृत्व में ग्राम खुटगांव के ग्रामीणों ने खंड शिक्षा अधिकारी के नाम सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी को ज्ञापन सौंपा। शिक्षा समिति अध्यक्ष तेनसिंग नरेटी, जनपद सदस्य एवं सभापति सविता उयके ने बताया कि रैमन यदु का व्यवहार ठीक नहीं है। आए दिन शाला से अनुपस्थित रहता है और अनुपस्थित दिनों का भी हस्ताक्षर करता है। अपने विषय की पढ़ाई नहीं कराता है। कोर्स अपूर्ण है। निष्ठापूर्वक ड्यूटी नहीं करने की शिकायत मिली है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

नवोदय विद्यालय में चयनित छात्राओं को रजत पदक से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोयलीबेड़ा

ब्लाक मुख्यालय कोयलीबेड़ा में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के कक्षा पांचवी में अध्ययनरत छात्रा गरीमा देंवागन व हेनी भुआर्य का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। पिछले शिक्षण सत्र 2023-24 में नए सिरे से आरंभ हुए विद्यालय के लिए यह गर्व का विषय हैं। कार्यक्रम में जनपद सदस्य विनोद उसेंडी ने रजत पदक, बैग व उपहार प्रदान करते हुए छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना किया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जनपद सदस्य विनोद उसेंडी ने कहा कि यदि ग्रहण की हुई शिक्षा आपके व्यक्तित्व में दिखाई न दे तो वह सूचना मात्र है व ज्ञान नहीं। अतः सभी मन से पढाई कर अपने शाला, समाज व राष्ट्र को गौरवांवित करें। शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए हरसंभव मदद का आश्वाशन दिया और साथ ही घोषणा किया कि आने वाले सत्र में जितने छात्र छात्राओं का चयन होता है, उन्हें रजत पदक व विधानसभा, जंगल सफारी, रायपुर भ्रमण कराया जाएगा। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को याद करते हुए नवोदय विद्यालय आरंभ करने के पिछे उनका उद्देश्य व निती पर प्रकाश डाला। प्राचार्य जीआर गढ़िया ने कहा कि छात्राओं को सफलता के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं व आने वाले सत्रों में अधिक बच्चे यहां से चयनित होकर शाला व क्षेत्र को गौरवांवित करेंगें।

कार्यक्रम को अपूर्व विश्वकर्मा, पुनीत भुआर्य शिक्षक ने संबोधित करते हुए कहा कि यह उपलब्धी के पीछे छात्राओं की कड़ी मेहनत व लगन के साथ -साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं व परिवार का योगदान रहा। कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा करते हुए आरआर हिड़को ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की संदेश शिक्षा शेरणी का दूध है जो पिएगा वो दहाड़ेगा याद दिलाते हुए सभी की धमनी व शिराओं में एक नयी उर्जा व चेतना का संचार किया। प्रोत्साहन समारोह में पारख साहू, संदिप सरकार, चंचल सिन्हा, सोना मरकाम सहित समस्त स्टाफ व छात्राओं के परिजन रिंकी देवांगन व पुनीत भुआर्य उपस्थित रहे।